विचार बिन्दु

किसी पूर्वतन ख्याति का उत्तराधिकार प्राप्त करना एक संकट मोल लेना है।
–टैगोर

गोविन्दम भज मूड़मते

उपरोक्त स्त्रोत्र को भारतीय परिपेक्ष में उद्धिरत करते हुए यह लेख मैं उस समुदाय के लिए लिखने का प्रयास कर रहा हूँ, जिन्हें सरकारी योजनाओं में कोई संरक्षण प्राप्त नहीं है। यह समुदाय है उन उपेक्षित देश के नागरिक छात्रों का जिन्हें अपने ही देश में उच्च शिक्षा उपलब्ध नहीं हो पाती है। फलस्वरूप ऐसे हज़ारों छात्र विवश होकर अन्य छोटे देशों में अपने परिवारीय संपत्ति को बेदखल कर या गिरवी रख विशेष शिक्षा प्राप्त करने हेतु प्रति वर्ष देश से पलायन करते हैं। प्रदेश अथवा केंद्र सरकार को ऐसे छात्रों से न तो कोई वास्ता और न कोई उनकी सुध लेने वाला। इतना ही नहीं सरकार के पास इस बावत न कोई आंकडे कि किन देशों में भारत के कितने छात्र शिक्षा प्राप्ति के लिए गए हुए हैं।

लेख का शीर्षक एक स्त्रोत्र है जिसे आज से सैकड़ों वर्ष पहले आदि शंकराचार्य ने प्रतिपादित किया था। पूरा स्त्रोत्र इस प्रकार है–**''भज गोविन्दम भज गोविन्दम गोविन्दम भज मूड़मते''**। संदर्भित स्त्रोत्र उन मूड लोगों को जगाने के लिए कहा गया जो किसी काम के नहीं, निठल्ले, कर्महीन, दिशाहीन, आलस्य से ग्रसित, विचारहीन, आदि उनसे अपेक्षा की गई है कि यदि वे किसी काम के नहीं और कुछ नहीं कर सकते तो गोविन्द को भजो, गोविन्द में ही समय लगाओ।

मेरे इस लेख में तीन पक्ष हैं जिन्हे हम मूड वर्ग में सुगमता से श्रेणीबद्ध कर सकते हैं। 1. पहला पक्ष है– प्रादेशिक एवं केंद्रीय सरकारें जो निति निर्धारण करती हैं देश के विकास और जनता की कुशलता और जीवन सुगम बनाने के लिए। इनके साथ सदैव सहायता और उनके जी हज़ूरी करने वाला प्रशासनिक हजूम। 2. दूसरा पक्ष है पढ़ने की आकांशा रखने वाले युवा छात्र, जिन्हें आज़ादी के सात दशक बाद भी वांछित शिक्षा की उपलब्धता अभी तक नसीब नहीं, जिससे पीड़ित होते हुए कुछ नहीं कर सकते, सिवाय कही मज़दूरी अथवा किसी अन्य देश में जाकर कोई काम अथवा पढ़ाई आर्थिक सम्बल संसाधन उपलब्ध होने पर और 3. तीसरा पक्ष है आम जनता जो अब गांव व् शहरी क्षेत्रों में समान रूप से निवास करती है और विभिन्न प्रकार के उद्धयमों में संलग्न होकर अपना और अपने परिवार का जीवकोपार्जन करती है और सरकार की तिजोरी को बिना किसी भेदभाव से नियमानुसार भर्ती रहती है चाहे उनके परिवार पर बड़े से बड़े संकट आते हों।

ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरों तक, पंचायतें, सहकारी समितियां, नगर पालिकाएं, तहसील और रेवेन्यु विभाग, पुलिस महकमा और उसका अमला, ट्रांसपोर्ट, सड़क परिवहन, आदि अनेक बड़े-बड़े अमले हैं जो उस धन से पोषित होते हैं जिसे विभिन्न टेक्सों द्वारा आम जनता सरकार तो चुकाती है। यही जनता और यही युवा छात्र अपने क्षेत्र के लिए जन प्रतिनिधि चुनते हैं सच कहें तो उन्हें विबस होना पड़ता है चुनने के लिए, नागनाथ और सांपनाथ में से।

बाबू जयप्रकाश नारायण ने सत्तर के दशक में ऐसे ही युवा लोगों से देश की सरकार को धराशाही कर दिया था और उसी दशक में जोर्ज फर्नाडिश में अकल्पित रेल हड़ताल सफल की, जिसकी मिशाल कही नहीं मिलती। सरकार कभी भी किसी भी मसले पर लोजिक से नहीं मानती बल्कि दबाव से कुछ ही समय में चित्त हो जाती है।

रूस–यूक्रेन युद्ध आरम्भ होने पर वहां पढ़ रहे हज़ारों छात्रों को प्रधान मंत्री और केंद्र के कई वरिष्ठ मंत्रिओं की मदद से काफी मस्कत से यूक्रेन से निकाल भारत लाया गया, तब पता लगा कि भारत के इतने छात्र अपने खर्चे पर छोटे–छोटे देशों में जाकर शिक्षा प्राप्त करते हैं। जिसने भी यह जाना उसने सरकार को लानत दी कि यह कैसा देश है जहाँ के गरीब छात्र छोटे देशों में वांछित सुविधा और शिक्षा के लिए वित्तीय जुगाड़ कर बाहर चले जाते हैं। देश में प्रधान मंत्री और सभी मंत्रिओं में से किसी के दिमाग में यह नहीं आया कि भारत में इन बच्चों को विशेष शिक्षा की सुविधा उपलब्ध क्यों नही?

मैं बता देता हूँ कि शिक्षा तो उपलब्ध है लेकिन पर्याप्त नहीं, और जो उपलब्ध सुविधा है उसमें अधिकांश हिस्सा प्रतिभा विहीन छात्र किसी न किसी आधार (आरक्षण) पर ले लेते हैं। मैंने देखा है कि आरक्षण से प्रतिभा में कहीं निम्न स्तर के छात्र विशेष विषयों (मेडिकल, अभियांत्रिक प्रबंधन सरीखे), में प्रवेश पा जाते हैं। सीटों की सीमा होने से अनारक्षित वर्ग के अनेक प्रतिभाशील छात्र देश में शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। जब प्रधान मंत्री सबका विकास की बात करते हैं तो उनके दिमाग में यह नहीं आता कि ऐसे हमेशा वंचित छात्र क्या 'सब' में शामिल नहीं हैं? निति चूँकि सरकारें बनाती है इस यक्ष प्रश्न का उत्तर प्रधान मंत्री अथवा उनके मन को समझने वाले मंत्री को ही देना है। यदि सत्तर वर्षों में सबको शिक्षा उपलब्ध नहीं हो पा रही है तो यह सरकार की अकर्मण्यता और राज करने में विफलता से बढ़ कर कुछ नहीं। ऐसी सरकार को सत्ता में रहने की मंशा को जागरूक युवा जनता उखाड़ फेके।

बाबू जयप्रकाश नारायण ने सत्तर के दशक में ऐसे ही युवा लोगों से देश की सरकार को धराशाही कर दिया था और उसी दशक में जोर्ज फर्नाडिश में अकल्पित रेल हड़ताल सफल की, जिसकी मिशाल कहीं नहीं मिलती। सरकार कभी भी किसी भी मसले पर लोजिक से नहीं मानती बल्कि दबाव से कुछ ही समय में चित्त हो जाती है। उक्रेन से वापिस लोटे छात्रों का कोई पता नहीं कि उनकी बाकी की पढ़ाई का क्या हुआ? अभी तो इजराइल का युद्ध भी शुरू हो चुका है ख़बरें आ रही हैं कि वहां भी भारत के छात्र पढ़ने गए हुए हैं, उन्हें भी अब सरकार कैसे देश वापिस लाएगी यदि युद्ध लम्बा खिंचा तो।

वैसे तो भारत के इज़राइल से अच्छे सम्बन्ध हैं क्योंकि कारगिल युद्ध में इज़राइल ने भारत की बड़ी सहायता की थी ब्रिटिश शासन में भी भारत की राजपूत रेजिमेंट की एक टुकड़ी इजराइल गई थी जिनकी वीरता, दिलेरी की इज़राइली आज भी सम्मान से याद करते हैं। इज़राइली तुक्ष मानसिकता वाले नहीं दिखते हैं हो सकता है वे भारतीय छात्रों को वही समुचित व्यवस्था कर दें।

इस पूरे प्रकरण में पाठक यह निर्णय लें कि देश की शिक्षा में ऐसी धांधली और बिफलता कब तक बर्दाश्त करेंगे? याद रहे सरकार का एक टर्म पांच वर्ष का होता है इसलिए पांच वर्ष तक सरकारी विफलता और अकर्मण्यता से एक पीढ़ी शिक्षा से विपरीत प्रभावित हो जाती है। दुर्भाग्य से कही सरकार दो टर्म रह गई तो एक परिवार का बेडा गरक। फिर शंकराचार्य जी के स्त्रोत्र को भजने के अतिरिक्त जनता के पास कोई उपाय नहीं। क्योंकि ऊपर वर्णित तीनों पक्ष यथा सरकार, युवा छात्र और टैक्स चुकाती जनता सभी मूड हैं। उपाय सब दशाओं से फ़ैल तब **''भज गोविन्दम मूड़ मते''** जपते रहिये और जो बन पड़े वह करते रहिये। समय परिवर्तन शील है जब तक सबको समान हक़ और सुविधा न मिले प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष संघर्षशील बने रहें। समय, अवश्य बदलेगा। न ऐसी सरकारें रहेंगी और न नेता।

–अतिथि लेखक,
प्रो. वीर बहादुर सिंह,
(सेवा निवृत खाद्य प्रौद्योगिकी विज्ञ, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर)

राशिफल शनिवार 14 अक्टूबर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, अमावस्या, शनिवार, विक्रम संवत 2080, हस्त नक्षत्र सांय 4:24 तक, ऐन्द्रयन योग दिन 10:24 तक, चतुष्पद करण दिन 10:38 तक, चन्द्रमा रविवार प्रातः 5:21 से तुला राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–कन्या, मंगल–तुला, बुध–कन्या, गुरू–मेष, शुक्र–सिंह, शनि–कुम्भ, राहु–मेष, केतु–तुला राशि में।

आज यमघट योग सूर्योदय से सांय 4:29 तक है। आज देव पितृकार्य अमावस्या, सर्वपितृ श्राद्ध है। आज पितृकार्य पूर्ण होगा। आज शनिश्चरी अमावस्या है। सिंजा माता पूजन समाप्त होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:55 से 9:21तक, चर 12:13 से 1:39 तक, लाभ–अमृत 1:39 से 4:31 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:29, सूर्यास्त 5:57

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर नियंत्रण बना रहेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी।

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण संयम रखना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। मन में भय बना रहेगा। घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है।

तुला
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कर्क
घर–परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
घर–परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

आचार संहिता लगने से शिक्षा विभाग में 15477 पदों पर नियुक्तियां अटकी

काउंसलिंग, जिला आवंटन, पदस्थापन आदेश जारी होने के बाद कार्यवाही रोकी

बीकानेर, (कासं)। शिक्षा विभाग में शैक्षिक वर्ग के 15 हजार 477 पदों पर नियुक्तियां आचार संहिता लगने से अटक गई है। काउंसलिंग, जिला आवंटन, पदस्थापन आदेश जारी होने के बाद आगे कार्यवाही रोक दी गई है। साथ ही 10 हजार 725 पदों के परिणाम घोषित होने के बाद आगे की प्रक्रिया रोक दी गई है। इन सभी को लेकर माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने शासन सचिव शिक्षा को अवगत करवाते हुए चुनाव आयोग से अनुमति दिलाने के लिए पत्र भेजा है। निदेशक ने शासन सचिव शिक्षा से ऐसे प्रकरणों में कार्यग्रहण करने की छूट की अनुमति मांगी है। बहरहाल, विधानसभा चुनाव और उसके संदर्भ में लगी आचार संहिता ने सफल उम्मीदवारों के लिए एक अजीब तरह का संकट खड़ा कर दिया है। उनके लिए असमंजस से भरे यह दिन निकालना भी मुश्किल साबित हो रहा है।

चुनाव आचार संहिता लगने से शिक्षा विभाग ने नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी लेकिन, चिकित्सा प्रमाणपत्र, शैक्षिक योग्यता सत्यापन आदि के कारण 7 हजार 621 अभ्यर्थियों के नियुक्ति तथा पदस्थापन लंबित रह गए। एक हजार 702 अभ्यर्थी ऐसे है, जिनकी काउंसलिंग हो गई, पदस्थापन आदेश जारी होने से रह गए।

- **माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने शासन सचिव शिक्षा को अवगत करवाते हुए चुनाव आयोग से अनुमति दिलाने के लिए पत्र भेजा**
- **निदेशक ने शासन सचिव शिक्षा से ऐसे प्रकरणों में कार्यग्रहण करने की छूट की अनुमति मांगी है**

विभाग को नियुक्ति एजेंसी से 1094 अभ्यर्थियों की अभिस्तावना मिलने के बाद आचार संहिता लगने से काउंसलिंग नहीं हो सकी। 10 हजार 725 वरिष्ठ अध्यापकों का विभाग की ओर से मंडल आवंटन तथा काउंसलिंग कराना शेष रह गया। साथ ही 3 हजार 757 अभ्यर्थियों की नियुक्ति संबंधी सारी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद कार्यग्रहण करना रह गया। गैर अनुसूचित क्षेत्रों से अनुसूचित क्षेत्रों में भेजे 1 हजार 903 कार्मिक कार्यग्रहण और कार्यमुक्त नहीं हो पाए।

पेंशन दिलाने के बहाने महिलाओं से जमीन हड़पी

उदयपुर, (कासं)। जिले के पानरवा थाना क्षेत्र में एक महिला ने एक पिता–पुत्र के खिलाफ पेंशन दिलाने के बहाने रजिस्ट्री ऑफिस ले जाकर जमीन की रजिस्ट्री अपने नाम पर करवाने का मामला दर्ज करवाया हैं।

पुलिस के अनुसार मोनडीबाई पत्नी सोमसिंह गरासिया निवासी आमडा पानरवा ने अर्जुनलाल पुत्र भीमराज गरासिया निवासी आमडा पानरवा, भीमराज पुत्र देवा गरासिया निवासी आमडा पानरवा के खिलाफ मामला दर्ज करवाया कि करीब 5 साल पहले वह अपनी पुत्री यहां हीरूमाला गांव में थी। तब अर्जुनलाल गरासिया उसके पास आया और कहा कि तेरा भाई बीमार है और झाडोल अस्पताल में है। भाई ने उसे मिलने बुलाया है। परिवादिया ने अर्जुनलाल की बात पर विश्वास कर उसके साथ झाडोल आ गई। अर्जुनलाल के पिता भीमराज गांव आमोड में रहने वाली उसकी बड़ी बहन लाली पत्नी खुमाणसिंह को बहला फुसला कर झाडोल ले आया। यहां आकर उसने अर्जुनलाल को अपने भाई से मिलाने को कहा तो अर्जुनलाल बोला उसकी अस्पताल से छुट्टी हो गई है और कहा कि झाडोल आई ही गई हो तो तुम दोनों बहनों के पेंशन के कागजात पूरे करवा देते हैं। यह कहकर परिवादिया और उसकी बहन लाली जो बहरी है को इशारों से समझाकर झाडोल तहसील के उपर पेंशन ऑफिस के पास वाले कमरे में ले गए। वहां कुछ कागजों पर अंगूठे करवाये और फोटो खींचवाये और कहां कि पेंशन फाईलें पूरी हो गई है। अभी कुछ दिन पहले उसके पीहर वालों से जानकारी हुई कि इन दोनों बहनों के नाम से जमीन के बिकाव की रजिस्ट्री हो जमीन अर्जुन पुत्र भीमराज गरासिया निवासी आमडा के नाम दर्ज हो गई हैं। जबकि इन दोनों को यह भी नही मालूम था कि पिता के मौत होने के बाद उनकी जमीन में इनका नाम खाते में दर्ज हुआ है क्योंकि ये अपने ससुराल में रहती है और पिता की जमीन भाई–भतीजे कमा रहे हैं।

जानकारी करने पर मालूम हुआ कि अर्जुनलाल व इसके पिता भीमराज ने 5 साल पहले भाई बिमार होने का झांसा देकर झाडोल लोकर पेंशन के कागजात के नाम से फर्जी विक्रय पत्र अर्जुनलाल के नाम का बनाया, जिसमें भीमराज गवाह बन गया और धोखें से अपने नाम रजिस्ट्री करा ली। भीमराज पूर्व वार्ड पंच था तो उस पर विश्वास कर लिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

22 गृह रक्षा स्वयंसेवक मानद पद पर पदौन्नत

भीलवाड़ा गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र में चयन समिति की अनुशंषा पर 22 स्वयं सेवकों को मानद पदों पर पदौन्नत किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। निदेशालय, गृह रक्षा, मुख्यालय, राजस्थान, जयपुर के निर्देशानुसार चयन समिति द्वारा मानद पद पर शारीरिक/प्रशिक्षण दक्षता परीक्षा में उत्तीर्ण हुए स्वयं सेवकों के रिकॉर्ड एवं साक्षात्कार में प्राप्त अंकों तथा वरीयता के आधार पर गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र में चयन समिति की अनुशंषा पर 22 स्वयं सेवकों को मानद पदों पर पदौन्नत किया गया है। शारीरिक एवं प्रशिक्षण दक्षता परीक्षा में 53 सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें वरीयता अनुसार 22 सदस्यों को वरीयता के आधार पर उत्तीर्ण कर अवैतनिक मानद पदों पर रेंक प्रदान की गयी।

समादेष्टा, गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र ललित बिहारी व्यास ने बताया कि गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र में अवैतनिक मानद पदों पर चयन प्रक्रिया के अन्तर्गत गठित कमेटी में कमाण्डेंट गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र अजमेर अध्यक्ष सुमन ढाका, डिप्टी कमाण्डेंट गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र सचिव ललित बिहारी व्यास व कम्पनी कमाण्डर सदस्य शिव शंकर पारीक, गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र अजमेर को शामिल कर चयन समिति का गठन किया गया। गुरूवार को वरीयता के आधार पर उत्तीर्ण कर अवैतनिक मानद पदों पर रेंक प्रदान की गयी। इस दौरान चयनित सदस्यों को आगामी विधानसभा चुनाव 2023 की बैठक का आयोजन किया गया जिसमें पदौन्नत स्वयं सेवकों को केन्द्र/उपकेन्द्रों के कार्यालयों के सहयोग हेतु आदेश प्रदान किये गए।

मौजमाबाद थाने के बाहर नहीं बदला जिले का नाम

दूदू जिले के अधीन संचालित उपखण्ड मुख्यालय मौजमाबाद पर पुलिस थाने के बाहर जिले का नाम नहीं बदला गया। जिले के अधीन सभी जिला स्तर के अधिकारी कार्यरत होने के बावजूद थाने पर नाम नहीं बदला जाना चर्चा का का विषय बना हुआ है।

पुष्कर में लाल मुंह के बंदरों का आतंक

पुष्कर, (निसं)। तीर्थ नगरी पुष्कर में परिक्रमा मार्ग बजरंग कॉलोनी सहित बाज़ारों व घाटों पर लाल मुंह के बंदरों का आतंक होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं परिक्रमा जाने वाले लोगों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आये दिन परिक्रमा करने वाले श्रदालुओ पर हमला बोलकर उनके हाथों से सामान छीन कर भाग रहे है। बल्लभ घाट पर गुरुवार की शाम मंदसौर की रहने वाली देऊ बाई स्नान कर रही थी इस दौरान उन्हें काट लिया। तीर्थ पुरोहितों ने बचाया। इसके बाद इलाज के लिए यात्री को अस्पताल भेज दिया।

सरोवर के 52 घाटों की सुबह और शाम को काफी संख्या में स्थानीय पुरुष महिलाएं और श्रदालु परिक्रमा करने जाते हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि जयपुर घाट से लेकर सप्त ऋषि घाट तक लाल मुंह के बंदरों का जमकर आतंक हो रखा है बन्दरो के आंतक के कारण लोगो का निकलना मुश्किल हो रखा है तथा कई बार परिक्रमा जाने वाले लोगों पर हमला करने से घायल हो गए और दहशत का माहौल हो रखा है। शुक्रवार को भी परिक्रमा मार्ग पर एक महिला श्रद्धालु पर बंदरों ने हमला बोलकर घायल कर दिया पुरोहितों ने महिला को बंदरों के हमले से बचाकर तुरंत 108 एंबुलेंस में इलाज हेतु पुष्कर अस्पताल में भेजा गया। बंदरों के आतंक के कारण काफी मुश्किल से लोग डरते डरते परिक्रमा में निकलते हैं। इसके अलावा घाटो ओर बाज़ारो में भी काफी आंतक हो रखा है। लोगों ने नगर पालिका से परिक्रमा मार्ग पर बंदरों के आतंक से मुक्ति दिलाने की मांग की है।

- **बल्लभ घाट पर बंदरों ने महिला को बनाया शिकार**

लेकसिटी में फ्रेंच कल्चर फेस्टिवल का शुभारंभ

उदयपुर, (का.स.)। उदयपुर में राजस्थान की कला–संस्कृति से रूबरू होने और फ्रांस की कलाओं से परिचित करवाने फ्रेंच इंस्टीट्यूट इन इंडिया फ्रांस उच्चायोग द्वारा उदयपुर और जयपुर में आयोजित पांच दिवसीय फ्रेंच कल्चर फेस्टिवल का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर फ्रांस से आए विभिन्न फ्रांसीसी कलाकारों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया।

आयोजन मुख्य उद्देश्य फ्रांस और भारत, विशेष रूप से राजस्थान उदयपुर के बीच साझेदारी को मजबूत करना है। कार्यक्रम के तहत कलाकारों के एक समूह ने बच्चों के लिए एक मनमोहक सर्कस का आयोजन किया। यह एक कलाबाज और एक निर्माण पाइप के बीच एक कल्पनाशील मुठभेड है, जो रचनात्मक कहानी कहने में एक विस्मयकारी साहसिक कार्य के लिए मंच तैयार करती है। इस जीवंत परस्पर नाटक के माध्यम से एक स्थायी और अविस्मरणीय मित्रता पनपती है। इस मंत्रमुग्ध कर देने वाले नाटक के केंद्र में गाइल्स चार्ल्स मेस्सेंस है, जो एक अनुभवी कलाबाज है जिसकी जडें पारंपरिक सर्कस में हैं। शुक्रवार को पहला शो मेवाड पब्लिक स्कूल और रॉकवुड्स स्कूल के स्कूली छात्रों के लिए आयोजित किया गया था। सायं को रॉकवुड्स स्कूल द्वारा समर्थित किशोर सुधार केंद्र में बच्चों के लिए एक विशेष प्रदर्शन किया गया।

- **फ्रांसीसी कलाकारों ने शहर के विभिन्न हिस्सों में अपनी कलाओं का प्रदर्शन किया।**

कार्यक्रम के तहत शनिवार को शाम 6 बजे द थर्ड स्पेस, चित्रकूटनगर में आयोजित होगा इसके साथ ही प्रसिद्ध फ्रांसीसी कलाकार सैंड्रे पूरे भारत में एलायंस फ्रैंकेइस नेटवर्क द्वारा आयोजित वॉल आर्ट फेस्टिवल के तत्वावधान में एमएमपीएस स्कूल में एक भित्ति चित्र बनाएंगे।

जैसे ही हम भारत के शहरों, इतिहास और प्राकृतिक परिदृश्यों की शानदार पच्चीकारी में उतरते हैं, रंग, संस्कृति और रचनात्मकता का मिश्रण इंतजार करता है। जैसे.जैसे शहर रोजमर्रा की जिंदगी के साथ आगे बढते हैं, वे जीवंत कैनवस में तब्दील होने वाले हैं। फ्रांस की सैंड्रे, पेरिस, कंबोडिया, वियतनाम और बेल्जियम में फैले अपने असली शहरी आख्यानों के साथ 12 से 15 अक्टूबर तक पेंटिंग करेंगी और एमएमपीएस छात्रों के साथ पेंटिंग कार्यशालाएं आयोजित करेंगी।

घर-घर कचरा संग्रहण व सफाई कार्य शुरू

झुंझुनूं, नगर पालिका मंडावा तथा नवलगढ़ में शुरु हुए कार्य

झुंझुनू/उदयपुर, (कासं)। स्थाई एवं अनवरत लोक अदालत झुंझुनू द्वारा नियुक्त न्याय मित्र तथा पूर्व ब्रांड एंबेसडर स्वच्छ भारत मिशन राजस्थान केके गुप्ता द्वारा शेखावाटी अंचल की तीन प्रमुख निकाय नगर परिषद झुंझुनूं और नगर पालिका मंडावा तथा नवलगढ़ में स्वच्छ भारत मिशन के तहत आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित अधिकारियों को प्रदान करते हुए कार्य कराये जा रहे हैं और इसी का परिणाम है कि नगर परिषद झुंझुनू मे स्वच्छ भारत मिशन के तहत विभिन्न घटक में लगभग 100 प्रतिशत और 90 प्रतिशत तक उपलब्धि हासिल कर रहा है, जिसका पूरा श्रेय न्याय मित्र गुप्ता की कार्यकुशलता को जाता है।

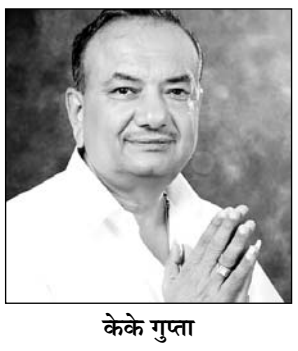

परिषदआयुक्त दलीप पुनियां ने बताया कि, स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत गतिविधियाँ/ उपलब्धियों के सम्बन्ध में न्याय मित्र गुप्ता द्वारा नवलगढ़ शहर के भ्रमण के दौरान स्वच्छ भारत मिशन योजनान्तर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूकता एवं प्रदत्त निर्देशों की अनुपालना में निर्देशों की अक्षरशः पालना के सम्बन्ध में घर–घर कचरा नियमित संग्रहण कार्य 85 प्रतिशत घरों से कचरा उठाया जाना प्रारम्भ कर दिया गया है कचरा एकत्रित कर कचरा यार्ड पर डाला जा रहा है। 85 प्रतिशत शहर की नालियों की नियमित सफाई करवायी जा रही है। व बड़े नालों की भी नियमित समय–समय पर सफाई करवायी जा रही है। 80 प्रतिशत शहर में सड़कों से अतिक्रमण को हटवा दिया गया है व समय–समय पर दल का गठन कर अभियान चलाया जाकर अतिक्रमण हटाया जा रहा है। 85 प्रतिशत तक नेहरू बाजार कपड़ा बाजार छावनी बाजार पुराना बस स्टेण्ड से ताल तक, शाओं के कुएं से गांधी चौक तक नियमित रात्रिकालीन सफाई करवायी जा रही है। पिछले दो माह में 150 लावारिस पशुओं को पकड़कर नन्दीशाला में छुड़वाया गया है। व समय–समय पर अभियान चलाया जाकर लावारिस पशुओं को नन्दीशाला में छुटवाया जाता है। एवं 920 लावारिस कुत्तों को पकडकर वेक्सीनेशन व बंधीयाकरण किये जा चुके है। शहर में टूटी हुई सड़कों के मरम्त का कार्य लगभग पूर्ण करवा दिया गया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग तथा एन.एच.ए.आई. की सड़कों की मरम्मत हेतु संबंधित विभाग को सूचित किया जा चुका है तथा शहर में सड़कों व वार्डो की रोड लाईट पर्याप्त मात्र में लगावा दी गई है एवं शहर में तीन टीमों का गठन किया जाकर उनकी देखरेख के लिये लगा दी गई है।

केके गुप्ता